

देश भर में फैली अपनी सम्पत्तियों को समेटना चाहती है, कांग्रेस पार्टी

एआईसीसी में इंदर सिंह सिंगला की अध्यक्षता में एक अलग विभाग का गठन किया गया है, इस मकसद से। सिंगला एआईसीसी में फिलहाल जॉइन्ट कोषाध्यक्ष भी हैं

-रेणु मित्तल-

राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 5 मार्च। एआईसीसी ने देश के विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में फैली अपनी सम्पत्तियों को समेटने (कन्सॉलिडेशन) का काम शुरू कर दिया है। इनमें से बहुत सी सम्पत्तियाँ जिला-स्तर पर हैं तथा इनमें से कई सम्पत्तियों पर मुकदमे चल रहे हैं, क्योंकि पिछले अनेक वर्षों में, विभिन्न संगठनों और प्रतिष्ठानों ने उन पर गैर-कानूनी रूप से कब्जे कर लिये हैं।

इन सम्पत्तियों के सम्बंध में अदालतों में केस दायर करने तथा उन्हें एआईसीसी के अधिकार में लेने की प्रक्रिया करीब 3 साल पहले शुरू हुई थी। लेकिन अब कांग्रेस ने इन सम्पत्तियों की व्यवस्था एवं देख-रेख के लिये एआईसीसी में एक पृथक विभाग बना दिया है तथा इंदर सिंह सिंगला, जो एआईसीसी के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी हैं, इस विभाग के प्रमुख बनाये गये हैं। इंदर सिंह सिंगला का पंजाब

■ सिंगला सांसद, विधायक व मंत्री भी रह चुके हैं, पंजाब में। सिंगला पर हाईकमान का पूरा विश्वास है तथा राज्यों में पार्टी के विभिन्न नेताओं को चुनाव के लिये पैसे भेजने का काम सिंगला चुपचाप कई वर्षों से कर रहे हैं।

■ अतः, अब कांग्रेस पार्टी की देश में स्थित सम्पत्तियों पर चल रहे मुकदमों को न्यायालय में छोड़ना तथा पार्टी की सम्पत्तियों के रख-रखाव व मरम्मत आदि की जिम्मेवारी, सिंगला पर लड़ना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

■ अब तक इन सम्पत्तियों की देखभाल का काम राहुल के करीबी माने जाने वाले कनिष्क सिंह देख रहे थे। पर, अब एआईसीसी में एक नया विभाग बनाकर, यह जिम्मेवारी इस विभाग को सौंपना इस बात का प्रमाण है कि, अब कांग्रेस पूर्णतया गंभीर है, अपनी सम्पत्तियों का कब्जा ग्रहण कर तथा न्यायालय में इन प्रॉपर्टीज के मुतल्लिक चल रहे मुकदमों को जीतकर एक ही जगह संगठित करने के बारे में।

में अच्छा-खासा नैटवर्क है। वे पंजाब से सांसद, विधायक एवं मंत्री भी रहे हैं। उनके दायित्वों में उन राज्यों तथा वहाँ के पार्टी नेताओं को चुपचाप धनराशि भेजना भी शामिल है, जहाँ चुनाव होने वाले होते हैं। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे इस काम को चुपचाप तथा पूरी निपुणता के साथ

अंजाम देते हैं तथा पार्टी के पैसे का हिसाब-किताब रखते हैं। अब तक कनिष्क सिंह, जो राहुल गांधी के नजदीक माने जाते हैं, कांग्रेस की सम्पत्तियों, परिसम्पत्तियों तथा उनसे सम्बंधित मुकदमेबाजी के काम को संभाल रहे थे। लेकिन अब पार्टी ने इसके

क्षतिग्रस्त एम.आई. रोड

जयपुर, 5 मार्च। राजस्थान विधानसभा में बुधवार को विधायक अमीन कागज़ी ने राजधानी जयपुर की प्रसिद्ध एम आई रोड का मामला उठाया, जो टूटी-फूटी पड़ी है। कागज़ी ने शून्यकाल में स्थान प्रस्ताव के तहत यह

■ राशि जमा होने के बाद भी मरम्मत नहीं?

मामला उठाते हुए राज्य सरकार से एम आई रोड एवं जौहरी बाजार की टूटी सड़कों की मरम्मत कराने का आग्रह किया, ताकि इन मुख्य बाजारों में लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले ही एम आई रोड पर काम हुआ था, लेकिन पेयजल पाइप लाइन डालने के लिए अजमेरी गेट से लेकर गवर्मेन्ट हॉस्पिटल तक सड़क को खोद दिया गया है और अब सड़क की मरम्मत के लिए संबंधित विभाग की तरफ से राशि जमा करा देने के बावजूद, इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

लखनऊ अदालत ने राहुल गांधी पर 200 रु. जुर्माना लगाया

लखनऊ, 05 मार्च। राजधानी लखनऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी पर 200 रुपये का जुर्माना लगाया है। कोर्ट ने उन पर यह कार्रवाई लगातार पेशी से गायब रहने पर की है। चेतावनी दी है कि 14 अप्रैल को कोर्ट में हाजिर हों। इस तारीख को अगर राहुल गांधी पेश नहीं होते हैं, तो उन पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के अकोला में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में 17 दिसंबर 2022 को वीर सावरकर पर विवादित बयान दिया था। वीर सावरकर

■ यह जुर्माना लगातार पेशी से गायब रहने पर लगाया गया है।

को राहुल गांधी ने अंग्रेजों का नौकर और पेंशन लेने वाला बताया था। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी के वकील ने कोर्ट में पेशी से छूट की अर्जी दाखिल की, जिसमें बताया गया कि आज, यानी 5 मार्च को राहुल गांधी पूर्व निर्धारित एक विदेशी अतिथि से मुलाकात में व्यस्त होने के चलते कोर्ट में हाजिर नहीं हो पाए हैं। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की अनुपस्थिति को हल्के में न लेते हुए उन पर 200 रुपये का आर्थिक जुर्माना लगाया और 14 अप्रैल को हर हाल में पेश होने का आदेश दिया।

‘राजीव गांधी शिक्षा की दृष्टि से काफी पैदल थे’

मणि शंकर अय्यर ने एक वीडियो जारी कर यह अजीबो-गरीब टिप्पणी की तथा यह भी कहा कि वे दो बार फेल हुए थे, पहले कैम्ब्रिज में और फिर दोबारा इम्पीरियल कॉलेज लंदन में।

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने स्वर्गीय राजीव गांधी की शैक्षणिक योग्यता पर सवाल उठाकर पार्टी को शर्मिंदा कर दिया है, जबकि राजीव गांधी ही अय्यर को राजनीति में लाए थे।

एक वीडियो में अय्यर ने कहा कि कई लोगों ने राजीव गांधी को प्रधानमंत्री बनाए जाने पर सवाल खड़े किए थे, क्योंकि राजीव गांधी एक पररलाइन पायलट थे और दो बार फेल हो चुके थे। अय्यर ने कहा, “राजीव गांधी को शैक्षणिक रूप से संघर्ष करना पड़ा था। वो कैम्ब्रिज तक में फेल हो गए थे, जहाँ पास होना तुलनात्मक रूप से आसान था। फिर वो इम्पीरियल कॉलेज लंदन गए और वहाँ भी फेल हो गए। इस बात को लेकर कई सवाल हैं कि अपने इस अकैडमिक रिकॉर्ड के साथ वे प्रधानमंत्री कैसे बने। इस बात से पर्दा हट जाने दो।”

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ मणि शंकर अय्यर ने यह सवाल भी उठाया कि शिक्षा की दृष्टि से इतने कमजोर व्यक्ति को देश का प्र.मंत्री कैसे बनाया गया था। यह भी उल्लेखनीय है कि राजीव गांधी ने ही मणि शंकर अय्यर को राजनीति में एंट्री दी थी तथा उन पर पूरा विश्वास किया था।

■ भाजपा, राजीव के नज़दीकी सलाहकार की इन टिप्पणियों से काफी खुश हैं, क्योंकि अब भाजपा के लिये अपने नेता मोदी की शैक्षणिक योग्यता को मुद्दा बनाने वार्ता को जवाब देना और आसान हो गया है।

■ कांग्रेस ने जरूर अय्यर की टिप्पणियों को फिज़ूल की बात बताया और कहा, अय्यर अब एक कुण्ठित नेता हैं, जिन्हें पार्टी अब काफी समय से महत्व नहीं दे रही है।

■ कांग्रेस के नेता तारिक अनवर ने कहा, परीक्षा में फेल होना या उत्तीर्ण होना राजनीति की दृष्टि से कोई महत्वपूर्ण बात नहीं है, राजीव गांधी राजनीति में देश के सफल नेताओं में सदा गिने जायेंगे, क्योंकि पाँच साल में उन्होंने जो देश के लिये हासिल किया, शायद ही कोई ऐसा कर पाया है या कर पायेगा।

‘ट्रम्प की विदेश नीति में स्थायित्व या सिद्धांत नज़र नहीं आ रहा’

इस परिस्थिति में भारत की तत्कालिक चिंता है, कब अमेरिका फिर अपनी विदेश नीति बदलते हुए, पाकिस्तान की ओर झुकने लगेगा

-अंजन राय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। कई अन्य देशों की तरह, भारत के भी यूनाइटेड स्टेट्स के साथ मित्रता के दिन खत्म हो गए हैं। कोई भी देश, जिसका अमेरिका के साथ कोई भी लेना-देना है, बहुत अनिश्चित है और उसे अमेरिका के वादों और कमिंटमेंट्स में विश्वास नहीं है। वे यादे एक मिनेट के नोटिस पर या बिना नोटिस के भी पलट जा सकते हैं।

भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है विदेश नीति में इन परिवर्तनों के कारण अमेरिका-पाकिस्तान के प्रति रणनीतिक झुकाव की पुरानी रणनीति पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

■ इसका संकेत अमेरिका की कांग्रेस को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने दिया, जब उन्होंने पाकिस्तान की प्रशंसा की और आभार जताया, एक कुख्यात आतंकवादी को पकड़ कर अमेरिका को सौंपने के लिए।

■ इस आतंकवादी ने, जब अमेरिकी सेना अफगानिस्तान को छोड़कर वापस जा रही थी, एक भारी बम विस्फोट किया था, जिसमें दर्जनों अफगानी सैनिक व 13 अमेरिकी सैनिक मारे गये थे।

■ कांग्रेस में दिये गये भाषण में ट्रम्प ने पाकिस्तान को तो भारी धन्यवाद दिया ही, उसी भाषण में भारत की आलोचना की, भारत द्वारा अमेरिकी सामान पर भारी टैरिफ लगाने की वजह से।

किसान नेता डल्लेवाल के अनशन के सौ दिन पूरे हुए

हिसार, 05 मार्च। हरियाणा के हिसार जिले में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के 100 दिन के आमरण अनशन के समर्थन में किसानों ने बुधवार को एक दिवसीय सांकेतिक अनशन किया। यह अनशन जिला सचिवालय और नारनौद के उप मंडलाधीश कार्यालय के सामने आयोजित किया गया। ज्ञातव्य है कि यह आंदोलन संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के नेतृत्व में चल रहा है। किसान आंदोलन को दूसरी लहर 13 फरवरी 2024 से खनौरी बाँडर पर

■ किसानों का कहना है कि सरकार डल्लेवाल की सेहत की चिंता तो जता रही है पर लिखित वादों से मुकर रही है।

शुरू हुई थी। डल्लेवाल 26 नवंबर से आमरण अनशन पर बैठे हैं। प्रदर्शनकारी किसानों ने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) गारंटी कानून को जल्द लागू करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि सरकार एक तरफ डल्लेवाल की सेहत की चिंता जता रही है। वहीं दूसरी तरफ बातचीत के लिए सरकार लंबी तारीखें दे रही है। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार अपने लिखित वादों से मुकर रही है। उन्होंने मांग कि अगर सरकार वाकई डल्लेवाल की सेहत को लेकर चिंतित है, तो उन्हें तुरंत किसानों की मांगें पूरी करनी चाहिए।

‘अगर अमेरिका युद्ध चाहता है, चाहे वह टैरिफ युद्ध हो या व्यापार युद्ध या किसी और तरह का युद्ध, तो हम अंतिम क्षण तक लड़ने को तैयार हैं’

चीन के विदेश मंत्रालय के अधिकृत प्रवक्ता लिन जियान ने न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा पूछे गये सवाल के जवाब में बहुत कड़ा जवाब दिया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। शेष विश्व के साथ “टैरिफ वॉर” की अमेरिका की एकतरफा धमकी पर साहसिक प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने कहा है कि अमेरिका चीन से आयोजित माल पर टैरिफ बढ़ाने के लिए फैनटेनाइल (एक नशीली ड्रग) का झूठे बहाने के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। अगर अमेरिका युद्ध चाहता है, चाहे वह टैरिफ वॉर हो या ट्रेड वॉर, बीजिंग आखिरी दम तक लड़ने के लिए तैयार है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने मंगलवार को न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही। उनसे अमेरिका द्वारा चीनी आयात पर शुल्क में दस प्रतिशत वृद्धि किए जाने पर सवाल किया गया था।

उन्होंने कहा कि फैनटेनाइल मुद्दा चीनी आयात पर अमेरिकन शुल्क बढ़ाने का बहाना मात्र है। हमारे अधिकारों और हितों की रक्षा करने के लिए हम जो कदम उठाएंगे, वे पूरी तरह

■ जैसा कि विदित है, अमेरिका ने चीन से अमेरिका को जाने वाली अधिकतर वस्तुओं पर 10 प्रतिशत और टैरिफ लगाने की घोषणा की है।

■ साथ ही चीन ने भी प्रत्युत्तर में अमेरिका से चीन को निर्यात किये जा रहे सामान: चिकन, गेहूँ, कपास आदि पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

■ चीन की इस आक्रामक जवाबी कार्यवाही की तुलना में भारत का रुख काफी नरम तथा “एडजस्ट” करने का रहा। जैसा कि ज्ञातव्य ही है, अमेरिका 2 अप्रैल से “रैसिप्रोकल टैरिफ” लगाने की घोषणा लागू करने की बात कह ही चुका है। अतः भारत के पास चार सप्ताह से भी कम समय बचा है, अमेरिका द्वारा लगाये गये “टैरिफ” को “एडजस्ट” करने के लिये। अगर अमेरिका से भारत को निर्यात किये गये सामान पर भारत ने वर्तमान “टैरिफ” चालू रखा तो अमेरिका भी भारत से अमेरिका को निर्यात वस्तुओं पर उतना ही “टैरिफ” लगायेगा और भारत का व्यापार चौपट हो सकता है।

तथा दबाव डाल रहा है। हमने उनकी मदद की, इसके लिए वो हमें दंडित कर रहे हैं। इससे अमेरिका की समस्या हल

-लक्ष्मण वैकट कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मार्च। आगे के तीन दशकों तक लोकसभा सीटें यथावत बनाये रखने की जोरदार वकालत के बाद, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को प्रस्तावित परिसीमन की कवायद के खिलाफ दक्षिण भारत के मुख्यमंत्रियों को लामबंद करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि परिसीमन के परिणामस्वरूप भारतीय राजनीति में दक्षिण भारत को अप्रासंगिक कर दिये जाने की आशंका है।

उन्होंने कहा कि परिसीमन की कवायद दक्षिण भारत को देश की सत्ता की राजनीति में पूरी तरह से उपेक्षित कर देगी, क्योंकि ऐसी आशा की जा रही है

■ दक्षिण भारत के राज्यों के सर्वदलीय सम्मेलन में तमिलनाडु के मु.मंत्री स्टालिन ने “सर्वसम्मति” से इस मांग का प्रस्ताव पारित करवाया।

■ स्टालिन का तर्क था, अगर डीलिटिमिटेसन होता है, तथा संसदीय सीटों की संख्या 543 ही रहती है, तो तमिलनाडु की आठ संसदीय सीटें कम हो जायेंगी। अतः सर्वदलीय बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया, कि संविधान में संशोधन करके, यह निर्णय लिया जाये, कि जिस अनुयात में उत्तर भारत के भारी जनसंख्या वाले प्रांतों की सीटें बढ़ेंगी, उसी अनुयात में साउथ इण्डिया के राज्यों की राज्यसभा व लोकसभा सीटों की संख्या भी बढ़ाई जायेंगी।

कि परिसीमन के परिणामस्वरूप, उत्तर भारत के उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश

तथा राजस्थान जैसे राज्यों की बड़ी हुई जनसंख्या के कारण, उन्हें सीटों की

संख्या बढ़ाने का लाभ मिल सकता है।

उन्होंने कहा कि यह सर्वदलीय मीटिंग को सम्बोधित करते हुये, उन्होंने परिसीमन की कवायद पर जोरदार प्रहार किये और कहा कि यह सवाल तो पर दक्षिण भारतीय राज्यों के हितों के खिलाफ है। उन्होंने दक्षिण भारतीय अन्य राज्यों के नेताओं से इस अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने के लिये एकजुट होने की अपील की।

स्टालिन की अध्यक्षता में हुई इस सर्वदलीय मीटिंग के नेत्र्द से विधिवत रूप से अनुरोध किया कि 2026 के बाद अगले 30 साल तक लोकसभा की सीटों की संख्या तथा संवैधानिक सीमाएं यथावत रखी जायें। उन्होंने कहा कि 84 वें संविधान संशोधन ने 2026 तक उत्तर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बोफोर्स : सीबीआई ने अमेरिका से हर्शमैन को ढूढने की अपील की

नई दिल्ली, 05 मार्च। बोफोर्स घोटाला मामले से जुड़ी जांच में बड़ा अपडेट सामने आया है। भारत की केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई ने अमेरिका को रोगेटरी पत्र भेजा है, जिसमें अमेरिका से निजी जाम्स माइकल हर्शमैन को ढूढने और उनसे पूछताछ की प्रक्रिया शुरू करने की अपील की है। ज्ञातव्य है कि माइकल हर्शमैन ने एक न्यूज चैनल पर दावा किया था कि वो 64 बोफोर्स तोप घोटाले की जांच में मदद कर सकता है। भारत में बोफोर्स घोटाला 1980 के

■ माइकल हर्शमैन ने एक न्यूज चैनल में दावा किया था कि वह बोफोर्स जांच में मदद कर सकता है।

दशक में सामने आया था और दौरान तत्कालीन राजीव गांधी सरकार पर घोटाले के आरोप लगे थे। दिल्ली की अदालत के आदेश पर अक्टूबर 2024 में अमेरिका को रोगेटरी पत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। पत्र अमेरिकी नागरिक के टीवी इंटरव्यू को जांच का आधार बनाया गया है। प्रशासनिक स्वीकृतियों के कारण इसे पूरा होने में 90 दिन लग सकते हैं। दिल्ली की अदालत ने सीबीआई के आवेदन को स्वीकार किया है। इसके बाद अमेरिका की न्यायिक प्राधिकरण को पत्र भेजा गया है।

विचार बिन्दु

अपमान का डर कानून के डर से किसी तरह कम क्रियाशील नहीं होता। -प्रेमचंद

अमेरिका का तिलस्म टूटा : ट्रम्प की नीतियों का यूरोप और भारत पर असर

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अमेरिका के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी उसके बाद अमेरिका की विदेश नीति और घरेलू नीति में काफी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। आक्रामक डॉनल्ड ट्रंप से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रिडरिक डी जॉन्स के प्रधानमंत्री और अंत में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने मुलाकात की थी। पूर्व के दोनों राष्ट्राध्यक्षों के साथ भी ट्रम्प का रवैया सम्मानजनक नहीं था। लेकिन इन दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने कुटनीतिक समझदारी दिखाई और बात का बतंगड नहीं बनने दिया। ट्रम्प का ब्रिटिश प्रधानमंत्री से यह कहना कि क्या ब्रिटेन अकेला रूस का मुकाबला कर सकता है? इस का उचित और करारा जवाब यूक्रेन के राष्ट्रपति ने दिया था। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका को यूक्रेन जैसी परिस्थिति का सामना करना पड़े तो पता चलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन में उनके ऑफिस अवेवल हाऊस में आज तक कभी किसी ने अमेरिका के राष्ट्रपति को इस तरह मुहताज जवाब नहीं दिया था।

सबसे पहले कनाडा और सबसे बाद में यूक्रेन के राष्ट्रपतियों की मुलाकात के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति का जो रुतबा बुलंद हुआ करता था वह धूमिल पड़ गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति को जिस अंदाज में डॉनल्ड ट्रंप ने डील किया वह यूक्रेन के जनता को अच्छा नहीं लगा। कनाडा में हाल ही वहाँ के प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी को केवल मात्र 12% लोगों का समर्थन हासिल रह गया था। लेकिन कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने को और कनाडा के प्रधानमंत्री को उसका गवर्नर कहना अमेरिका को भारी पड़ा। कनाडा ने भी टेरिफ युद्ध में बिगुल बजा ही दिया साथ ही कनाडा की जनता को भी बुरा लगा और सहानुभूति कि लहर कनाडा के प्रधानमंत्री के पक्ष में चल पड़ी और आज वे 38 प्रतिशत समर्थन के साथ सबसे आगे हैं। ध्यान रहे कनाडा में तीन माह बाद आम चुनाव होने वाली हैं। फिर सबसे सनसनीखेज मुलाकात रही यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के और डॉनल्ड ट्रम्प के बीच। जब अमेरिका राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति को धमकाने का प्रयास किया तो ज़ेलेंस्की के ऐसे उत्तर की अमेरिकी सत्ताधारियों को उम्मीद नहीं थी।

ज़ेलेंस्की ने जवाबी हमला करते हुए कहा, जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब कई लोगों ने सोचा था कि यह युद्ध कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। खुद व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया था कि तीन दिनों में यूक्रेन घुटने टेक देगा। लेकिन इतिहास गवाह है कि कुछ नेता सिर्फ सत्ता के लिए नहीं, बल्कि अपने देश और जनता के सम्मान के लिए लड़ते हैं।

स्पष्ट है कि वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने न सिर्फ यूक्रेन की रक्षा की, बल्कि पूरी दुनिया को दिखा दिया कि साहस, संकल्प और नेतृत्व क्या होता है। युद्ध के शुरुआती दिनों में जब अमेरिका ने उन्हें सुरक्षित निकालने की पेशकश की, तो उनका जवाब था- 'मुझे सवारी नहीं, हथियार चाहिए।'

अब जब डॉनल्ड ट्रंप यह कहते हैं कि अमेरिका के बिना यूक्रेन दो हफ्तों में खत्म हो जाता, तो ज़ेलेंस्की उसी दृढ़ता से जवाब देते हैं- 'पुतिन ने भी कहा था तीन दिन में खत्म हो जाएगा।' यह जवाब सिर्फ शब्दों का खेल नहीं, बल्कि ज़ेलेंस्की के अडिग इरादों की गूँज है। उसने हर चुनौती का सामना किया, अपने देशवासियों का मनोबल बनाए रखा और दुनिया के बड़े-बड़े नेताओं को कूटनीतिक का पाठ पढ़ाया। इतिहास जब भी निडर नेताओं की गाथा लिखेगा, वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। हो सकता है इससे ज़ेलेंस्की और यूक्रेन को नुकसान हो लेकिन इसके आठ में आप ज़ेलेंस्की की हिम्मत को नजरअंदाज नहीं कर सकते। भले ही कुछ ही हो लेकिन देश के सामने हीरो बन गए हैं।

दुनिया भर के नेता ज़ेलेंस्की के पक्ष में इसीलिए बोल रहे हैं कि वे ऐसा जवाब अमेरिका के राष्ट्रपति को नहीं दे सकते थे।

अमेरिका की सहायता के अभाव में रूस यूक्रेन पर और अधिक आक्रामक होगा तब यूरोपीय संघ सीधे रूस से उलझ सकता और अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पड़ें/ जाएं। अब भी भले ही यूक्रेन के मामले में रूस की बढ़त दिखाई पड़ती हो लेकिन रूसी अर्थ व्यवस्था पर इसका बहुत बुरा असर हुआ है।

यूरोपीय यूनियन इस बात को समझ रही है इस लिए वे वैकल्पिक मार्ग की तलाश में आगे निकलकर सामने आ गये हैं।

भारत के लिए यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के बीच रास्ता चुनना बहुत सावधानी भर काम होगा। यद्यपि दिखाने के लिए अमेरिका रूस के साथ अपनी मित्रता के लिए हाथ बढ़ा रहा है और चीन से भी आर्थिक मोर्चे पर टक्कर लेते हुए भी दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है लेकिन अमेरिका यह अच्छी तरह जानता है कि रूस और चीन के साथ उसके संबंध स्वाभाविक नहीं हो सकते हैं। भारत ने इसी बात को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ जब कच्चा तेल खरीदना शुरू किया था तब से ही अमेरिका को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है प्रधानमंत्री मोदी की हाल ही की अमेरिकी यात्रा में अमेरिका ने भारत पर परोक्ष रूप में यह दबाव भी बनाया है कि वह रूस के स्थान पर अमेरिका से महंगा तेल खरीदे और खराब पोषित हथियार खरीदे जो कि भारत के हित में नहीं होगा। भारत भले ही आज गुटनिरपेक्ष अंदोलन का नेता ना हो और गुटनिरपेक्ष अंदोलन जैसे भी अब मृतप्राय हो चुका है लेकिन चतुराई के साथ इस परिस्थिति में भारत को एक तरह से तटस्थ रहकर अपने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करनी होगी। जाहिर सी बात है कि जो तेल आपूर्ति सोवियत रूस के साथ बहुत आसानी से हो पा रही है वह हमारे राष्ट्रीय हित में है। चीन के साथ हमारा यद्यपि व्यापारिक रिश्ता है लेकिन सीमा तनाव के कारण हम नहीं जानते कि यह रिश्ता कितना कामयाब बना रहेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर अधिक कर लगाने की घोषणा करके या एक प्रकार से धमकी देकर भारत अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचाने का संकेत किया है यदि अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर अधिक मात्रा में कर लगाने की घोषणा करेगा तो भारत को विकल्प के रास्ते चुनने पड़ेंगे। यूक्रेन के साथ अमेरिका का समर्थन उसकी नैतिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि अनिवार्यता भी है यूक्रेन के महंगे खनिजों से भर भूभाग और उनके मैटैरियल्स पर अपना अधिकार जमाने की अमेरिका की कोशिश एक प्रकार से उसके विस्तारवाद का ही संकेत कर रही है। कल्पना कीजिए जैसा दबाव बनाकर अमेरिका से डील करना चाहता है। भारतीय मध्यस्थता से वैसा ही समझौता यूक्रेन रूस से कर बैठे तो अमेरिका की क्या हालत होगी। डॉनल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में अल्प समय में ही विश्व की गहरी चुनौतियों में उलझा दिया है। क्या इससे पहले अमेरिका ने जिन देशों को सैनिक सहायता दी है उनसे भी इसी प्रकार की चौथ वसुली की है अफगानिस्तान, ईरान इराक युद्ध, वियतनाम और न जाने कितने युद्ध अमेरिका ने लड़े हैं दूर धरती पर जाकर। क्या उन देशों से भी यूक्रेन जैसी ही चौथ वसुली की गई है जाहिर है नहीं, अमेरिका केवल विश्व में अपनी चौधराट्ट बनाए रखने के लिए इस प्रकार सौदेबाजी कर रहा है। लेकिन अब माहौल बदल रहा है ऐसा न हो कि अगले टोट अमेरिका का सपना ट्रम्प के इसी कार्यक्रम में ध्वस्त हो जाए। विश्वमंच पर अपनी साख खोता ट्रम्प अपने कर्मचारियों की आक्रामक छंटनी से देश के भीतर भी अपनी विश्वसनीयता को दांव पर लगा बैठे हैं। अमेरिका ने जिस तरह से अवैध भारतीय प्रवासियों को निकाला वह भी एक प्रकार से अपमान और धमकी भरा रवैया ही था। हालांकि भारत ने अपना धैर्य नहीं खोया यद्यपि भारत की जनता को यह अच्छा नहीं लगा। आने वाले समय में भारत, अमेरिका, चीन और रूस के माध्यम से विश्व समुदाय का धुंधीकरण सुनिश्चित है। इसमें यूरोपीय संघ की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रही है। कोई आश्चर्य नहीं होगा यदि यूक्रेन के बहाने विश्व नए सिरे से तनाव से ग्रस्त हो जाए। अमेरिका की सहायता के अभाव में रूस यूक्रेन पर और अधिक आक्रामक होगा तब यूरोपीय संघ सीधे रूस से उलझ सकता और अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पड़ें/ जाएं। अब भी भले ही यूक्रेन के मामले में रूस की बढ़त दिखाई पड़ती हो लेकिन रूसी अर्थ व्यवस्था पर इसका बहुत बुरा असर हुआ है। आप इसी बात से अनजान लगा सकते हैं कि जब रूस का यूक्रेन से युद्ध आरम्भ हुआ था जब रूबल की कीमत एक रूपए तीस पैसे थी जो अब घटकर मात्र अस्सी पैसे रह गई है। इसीलिए रूस भारत से इस मसले पर सार्थक और सम्मानजनक समझौते की उम्मीद रखे हुए है।

-राजेश मोहन शर्मा,
अतिथि संपादक
साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं चिन्तक

13 करोड़ 71 लाख का सबसे बड़ा मायरा मेड़ता में भरा

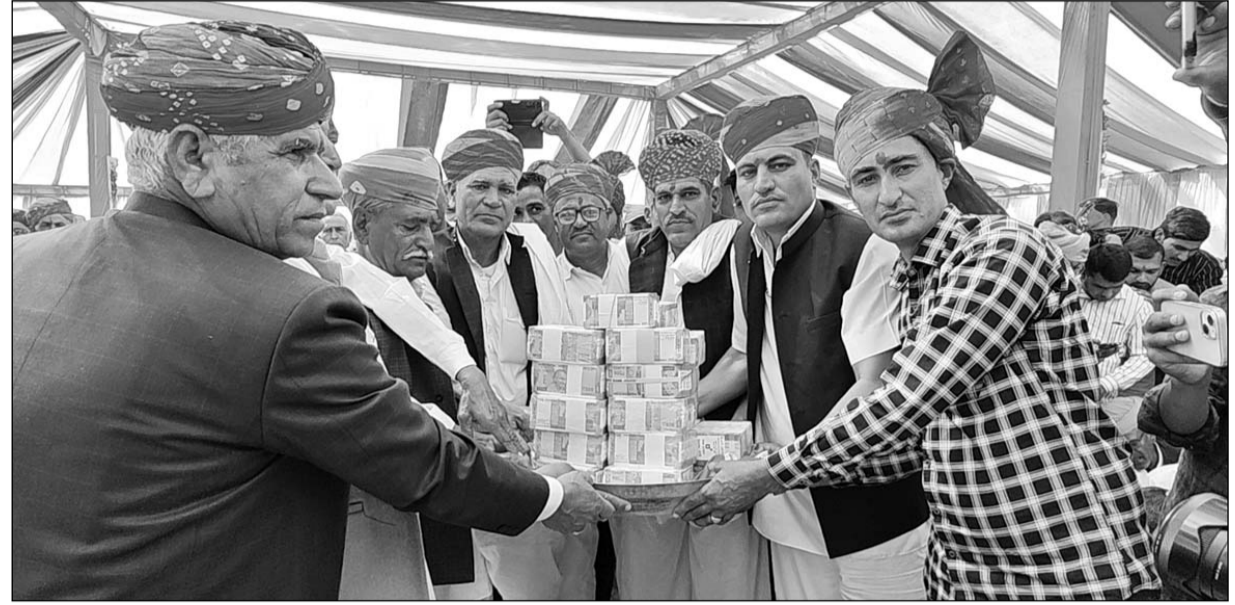
मायरे में 1 करोड़ 31 लाख नगद, एक ट्रैक्टर, एक बोलेरो, बेशकीमती प्लॉट सहित सवा किलो सोना तथा पांच किलो चांदी देकर बहन के मायरा भरा

मेड़ता सिटी, (निर्स)। नागौर के मेड़ता के समीपवर्ती ग्राम बेदावड़ी निवासी रामलाल, तुलसा राम फिड़ोदा ने अपनी बेटी संतोष देवी

■ **ग्राम बेदावड़ी निवासी रामलाल, तुलसा राम फिड़ोदा ने अपनी बेटी संतोष देवी निवासी शेखासनी गांव में मायरा भरा**

पत्नी राजराम बेड़ा निवासी शेखासनी गांव में 13 करोड़ 71 लाख का मायरा भरकर इतिहास में नाम दर्ज कराया। नागौर जिले में पहला सबसे बड़ा मायरा भरा गया।

गौरतलब है कि राजस्थान में एक भाई और बहन के अटूट प्रेम का रिश्ता है, जिसमें भाई बहन के मायरा भरकर उस फर्ज को निभाने का प्रयास करता है। 13 करोड़ 71 लाख का मायरा भरने के बाद पूरे राजस्थान में चर्चा है। मायरे में 1 करोड़ 31 लाख नगद,



नागौर में सबसे बड़े मायरे की रस्म अदा करते परिवार के लोग।

एक ट्रैक्टर, एक बोलेरो, बेशकीमती प्लॉट सहित सवा किलो सोना तथा पांच किलो चांदी देकर बहन के मायरा

भरा। इस मायरे की पूरे राजस्थान सहित भारत में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर रामाकिशन

जिन्ना, बाबू लाल खदाव, पूर्व विधायक सुखराम नेतडिया, पूर्व प्रधान कैलाश मंडा, युवा नेता मोहन

महेरिया, नंदाराम महेरिया, हड़मान भाद् कलरू सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

झील किनारे आर्मी की फेसिंग में फंसा लेपर्ड, बेहोश कर रेस्क्यू किया

मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों ने लेपर्ड को देख वन विभाग को सूचना दी

उदयपुर, (का.सं.)। शहर में पिछोला झील किनारे बुधवार सुबह आर्मी कैम्प से सटे जलबुर्ज मार्ग पर लेपर्ड आर्मी की फेसिंग के तारों में फंस गया। मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों ने लेपर्ड को देखकर वन विभाग को सूचना दी। टीम ने सबसे पहले मुख्य रास्ता बंद किया। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर लेपर्ड को बेहोश किया।

शहर में माछला मगरा के जंगल और पिछोला झील के बीच से दूधतलाई से सीसारमा जाने वाले जलबुर्ज रास्ते पर बुधवार सुबह लेपर्ड देखा गया था। सुबह करीब आठ बजे वन विभाग के स्टाफ को आर्मी की

■ **टीम ने मुख्य रास्ता बंद कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर लेपर्ड को बेहोश किया**

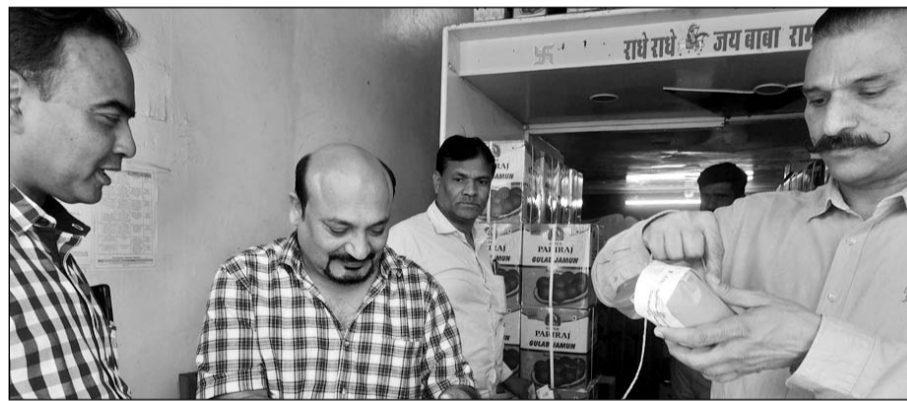
तर्फ से सूचना मिली कि लेपर्ड फेसिंग के तारों में फंस गया है। इस पर डीएफओ मुकेश सैनी को सूचना दी गई। सबसे पहले सना ओठ बजे स्थानीय स्टाफ फोरैस्टर प्रदीप सिंह पहुंचेउदयपुर दक्षिण के डीएफओ मुकेश सैनी और रंजर धीरेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। इस बीच बुलाई गई रेस्क्यू टीम भी पहुंच गई। वहां देखा

गया कि माछला मगरा की पहाड़ी इलाके में पावड़ा घाटी के नीचे जाते समय करीब 50 मीटर के पास ही पुलिया के वहां पर एकलिंगगढ आर्मी कैम्प की तारों की फेसिंग में एक लेपर्ड फंसा हुआ था। लेपर्ड ने तारों से निकलने का काफी प्रयास किया लेकिन वह नहीं निकल सका।

डीएफओ मुकेश सैनी ने रेस्क्यू कर लेपर्ड को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया शुरू कराई। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने सुबह करीब 9:30 बजे लेपर्ड को बेहोश किया। इसके बाद उसे वहां से चिकित्सकों के पास लेकर गए वनकर्मियों का कहना है कि लेपर्ड यहां कैसे फंसा इसके लेंकर अलग-अलग

बात आ रही है। बताते हैं कि लेपर्ड ने जंप लगाया तब वह तारों में फंस गया। यह माछला मगरा वन खंड क्षेत्र है जहां लेपर्ड का मूवमेंट रहता है और लेपर्ड अपनी प्यास बुझाने पिछोला झील में आता जाता रहता है। इसके अलावा आगे भी जंगली इलाका ही है। वन विभाग ने लेपर्ड की सूचना मिलने के बाद गोवर्धन विलास वन नाका और नाई वन क्षेत्र में से भी स्टाफ को मौके पर बुलाया। असल में इस इलाके में सुबह शहरवासी मॉर्निंग वॉक करने आते हैं। लोगों की आवाजाही को देखते हुए यहां भीड़ जमा नहीं हो इसके लिए सबसे पहले दूधतलाई से सीसारमा वाले इस रास्ते को बंद किया।

कोटा में 988 किलोग्राम गुलाब जामुन सीज किया



कोटा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नमूने लिये।

कोटा, (निर्स)। कोटा में 988 किलोग्राम गुलाब जामुन सीज करने की कार्रवाई की गई। साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के 19 नमूने लिये गये हैं।

प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलान्ड पर वार' होली स्पेशल अभियान के अंतर्गत प्रमुख शासन सचिव मेडिकल एंड हेल्थ गार्डर्जी राठी, आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण एच. गुड्रे के मार्गदर्शन व जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी कोटा के निर्देशन में एवं अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्स एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र नगर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा दल

■ **विभिन्न डेयरी व किराना वालों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए**

द्वारा मिल रही सूचनाओं के आधार सुरक्षा दल द्वारा गुमानपुरा क्षेत्र से एक प्रतिष्ठान गुलाब जामुन (सुपर परियार) को लेबल पर इंग्रेडियंट्स में मीडिया डिक्लेरेशन नही होने के कारण शक के आधार पर 18 किलो के टिन को खुलवाकर नमूना लेकर शेष 54 टिन 18 किलोग्राम व 1 टिन 16 किलोग्राम को सीज किया गया। गुलाब जामुन के पीपों पर जो लेबल

डिक्लेरेशन दिया गया था उसमें यह किस मीडिया में बनाया गया है, इसका विवरण अंकित नहीं था। यहां से एक नमूना लेकर 988 किलो गुलाबजामुन सीज किया। इसी के साथ कोटा में विभिन्न डेयरी व किराना वालों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थों के 18 नमूने लिए कुल 19 नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला कोटा भिजवाया गया, जहां से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। इस कार्यवाही में अधिकारी अधिकारी अरुण सक्सेना, खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्रवीर सिंह जादौन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोजी लाल कुम्भकार एवं सहायक चेताराम समिलित रहे।

उदयपुर नगर निगम ने 25 दुकानों सहित अपार्टमेंट सीज किया



उदयपुर नगर निगम ने नगरीय विकास कर को लेकर कार्रवाई की।

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर नगर निगम ने बुधवार सुबह नगरीय विकास कर को लेकर कार्रवाई करते हुए एक अपार्टमेंट को सीज किया। व्यवसायिक गतिविधियों वाली इस संपत्ति पर करीब नौ लाख रुपए का टैक्स बकाया था। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश की लगातार सखी के चलते बुधवार को शहर के प्रतापनगर क्षेत्र में 25 दुकानों सहित पूरा अपार्टमेंट ही सीज कर दिया। निगम ने इस अपार्टमेंट में आवासीय परिसर को भी सीज किया है। प्रतापनगर-पुवाणा बाइपास पर स्थित कहन अपार्टमेंट का नगर निगम में 8 लाख 92 हजार 52 रूपए नगरीय विकास कर के रूप में बकाया है। अपार्टमेंट के मालिक को निगम ने नोटिस दिया उसके बावजूद निगम की हिदायत को नजर अंदाज किया गया। बुधवार को निगम की टीम ने इस पूरे

■ **व्यवसायिक गतिविधियों वाली इस संपत्ति पर करीब नौ लाख रुपए का टैक्स बकाया था**

अपार्टमेंट को ही सीज कर अपने कब्जे में ले लिया। इसमें 25 दुकानें भी शामिल हैं। अपार्टमेंट में आवासीय परिसर को भी सीज किया है। कहन अपार्टमेंट में बार एंड रेस्टोरेंट, कार्गो म्वर्स, भोजनवाहन, ऑयल सपलायर, ट्रांसपोर्ट सर्विस, बेटी सर्विस सेंटर और इंजीनियरिंग क्वर्स सहित करीब 25 दुकानें संचालित हो रही हैं। इनके संचालक सुबह दुकान खोलने कहन अपार्टमेंट आते उससे पहले ही दुकानों पर नगर निगम की सील लग चुकी थी।

राशिफल

गुरुवार 6 मार्च, 2025



पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत् 2081, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:06 तक, विष्कम्भ रात्रि 3:29 तक, वणिज करण 10:51 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज भद्रा दिन 10:51 से रात्रि 10:05 तक है। आज रोहिणी व्रत है। श्रेष्ठ चौथाईया: शुभ सूर्योदय से 8:17 तक, चर 11:11 से 12:38 तक, लाभ-अमृत 12:38 से 3:32 तक, शुभ 5:00 से सूर्यास्त तक। राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 6:27

मेघ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियों अभी यथावत बनी रहेंगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

मिथुन
घर/परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादिता मामलों से राहत मिलेगी। परिजनों के सहयोग आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कुंभ
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

'सवा साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ'

जयपुर देहात (दक्षिण) के नागरिकों ने मुख्यमंत्री भजनलाल का बजट सौगातों के लिए आभार जताया

जयपुर, 5 मार्च। बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर बजट सौगातों के आभार प्रदर्शन के लिए जयपुर देहात (दक्षिण) से आए प्रतिनिधिमंडल की आभार सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्रामीण विकास प्रदेश की प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। इस बजट में ग्रामीण क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, कृषि, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अनेक प्रावधान किए गये हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि जयपुर के विस्तार के साथ, आस-पास के इलाकों में सुख-सुविधाओं के विस्तार के लिये बजट में अनेक प्रावधान किये गये हैं।



जयपुर देहात (दक्षिण) की ओर से आए प्रतिनिधिमंडल ने बजटीय घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया। इस अवसर पर आमजन ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

बजट किसानों को आगे रखते हुए बनाया गया है। युवाओं के लिए भी सवा लाख पदों पर सरकारी भर्तियाँ और डेढ़ लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय हुए पेपरलीक प्रकरणों से राज्य का युवा परेशान था। हमने आते ही इन प्रकरणों में लिप्त अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की। हमारे सवा साल के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं

हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारे अपराध मुक्त राजस्थान की दिशा में उठाए गए कदमों से राज्य में गैंगवार और अपराध भी कम हुआ है।

शर्मा ने कहा कि हमने प्रदेश में पानी और बिजली को प्राथमिकता पर रखा। बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ठोस कार्य योजना पर काम कर रही है। हमारी सरकार वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के साथ ही, राज्य को

ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर का विस्तार होने के साथ ही, इसके आसपास के इलाकों का भी तेजी से विकास किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुख-सुविधाओं के विस्तार के लिए बजट में अनेक प्रावधान किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान 'एक ही लाल, भजनलाल भजनलाल' और 'दमदार मुख्यमंत्री, दमदार फैसले' जैसे नारों से पूरा पाण्डाल गुंजायमान हो उठा तथा

लोगों ने अभूतपूर्व बजटीय घोषणाओं के लिए मुख्यमंत्री का तहे दिल से स्वागत किया। उपस्थित आमजन ने मुख्यमंत्री को 100 मीटर लम्बा साफा पहनाया और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इस दौरान जयपुर देहात (दक्षिण) के जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, पूर्व मंत्री कन्हैया लाल, बूथ मण्डल एवं जिला पदाधिकारी सहित, बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

'राजीव गांधी शिक्षा की दृष्टि ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) कांग्रेस ने जहाँ अख्यर की टिप्पणियों को खारिज किया है और राजीव गांधी को भारत के सर्वश्रेष्ठ नेताओं में से एक बताया है, वहीं भाजपा ने अख्यर की टिप्पणियों का पूरा लाभ उठाया है। पार्टी के आई.टी. सेल के अमित मालवीय ने व्यापक रूप से उक्त वीडियो को शेयर किया है। वीडियो देखकर यह स्पष्ट नहीं हुआ कि यह कहाँ

शुट किया गया था। अख्यर की टिप्पणियों ने भाजपा को विपक्ष के सवालियों के विरुद्ध बोलने के लिए खूब मसाला दे दिया है, जो (विपक्ष) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्रियों को लेकर सवाल उठाता रहता है। अख्यर के दशक के मध्य में राजीव गांधी के निकट सलाहकारों में एक माने जाने वाले, अख्यर पार्टी नेतृत्व द्वारा अपनी निरंतर उपेक्षा के कारण काफी

क्षुब्ध और नाराज हैं। पूर्व में उन्होंने एक किताब लिखी थी, जिसका शीर्षक था, "द राजीव गांधी आई न्यू-द फादर ऑफ इन्फॉर्मेशन रिवोल्यूशन"। कांग्रेस ने यह कहते हुए अख्यर की टिप्पणियों को खारिज कर दिया है कि "पार्टी में उनकी कोई प्रासंगिकता नहीं है और उनके पास पार्टी का कोई महत्वपूर्ण पद भी नहीं है। कांग्रेस नेता अजय सिंह यादव ने कहा, "उनके वक्तव्य पर

अधिक ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।" पार्टी के वरिष्ठ नेता, तारिक अनवर ने कहा कि अच्छे से अच्छे लोग भी स्कूल और कॉलेज एजाम में फेल हो जाते हैं। लेकिन राजीव गांधी राजनीति में फेल नहीं हुए। जब उन्हें जिम्मेवारी दी गई और वे प्रधानमंत्री बने, मेरा मानना है कि देश में बहुत कम ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सिर्फ पाँच सालों में इतना कुछ हासिल कर लिया।

'अगर अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, भारत हम पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाता है, यह सिस्टम अमेरिका के लिए ठीक नहीं है, कभी भी नहीं था।

उन्होंने "अमेरिका फस्ट" की नीति पर जोर देते हुए कहा, "अन्य देश कई सालों से हम पर टैरिफ लगा रहे हैं, अब हमारी बारी है। हम भी उनके खिलाफ टैरिफ का इस्तेमाल करेंगे।"

प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर्स, जिनमें कैनडा, मैक्सिको, चीन, यूरोपियन यूनियन और भारत शामिल हैं, को नई टैरिफ नीति में निशाना बनाया जाएगा। यह टैरिफ अमेरिका की ट्रेड पॉलिसी में भारी बदलाव करने की नीति का प्रमुख अंग है। ट्रम्प हमेशा से मानते हैं कि ग्लोबल ट्रेड रूल्स अमेरिका के लिए नुकसानदेह हैं और इसलिए वे रैसिप्रोकल टैरिफ पर जोर दे रहे हैं, अपने पहले कार्यकाल में, उनके प्रशासन ने ऐसे ही फैसले किए थे, पर, उन्हें पूरी तरह लागू नहीं किया था।

नया टैरिफ शुल्क देश के आधार पर लगाया जाएगा। इसमें सिर्फ शुल्क दर को ही नहीं बल्कि अन्य व्यवधानों पर भी ध्यान में रखा जाएगा।

'ट्रम्प की विदेश नीति में स्थायित्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) न लौट जाए और उसे अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई फिर न शुरू कर दे। अमेरिकन कांग्रेस के अपने भाषण में ट्रम्प ने एक खतरनाक आतंकवादी को संपने के लिए पाकिस्तान का आभार जताया। यह आतंकी काबुल हवाई अड्डे पर हुए बम विस्फोट में शामिल था। इस घमाके में अफगान नागरिकों सहित, 13 अमेरिकी सैनिक मारे गए थे, जो अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान छोड़ने की घोषणा के बाद लौट रहे थे।

ट्रम्प ने अपने भाषण में यह भी बताया कि अमेरिका की खुफिया सेवा का एक सैनियर अफसर पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई.एस.आई. के मुखिया से मिला और आतंकी को अमेरिका के सुपुर्द करने के मुद्दे पर काम किया, वह इस सप्ताह के अंत तक अमेरिका लौटने वाला है। इसी भाषण में उन्होंने अन्य देशों के साथ भारत को कोसा और अमेरिकन कारों पर ज्यादा टैरिफ के लिए भारत की आलोचना की। उन्होंने कहा, भारत, अमेरिकन कारों पर शत-प्रतिशत टैरिफ लगाता है। ट्रम्प, आदतन फैक्ट चैक नहीं करते हैं और डेटा व तथ्यों के बारे जरा भी परवाह नहीं करते हैं।

असल में वर्तमान में भारत आयातित लज्जरी कारों पर 70 प्रतिशत टैक्स लेता

है, चाहे वह किसी भी देश से क्यों न हों, मोटर बाइक पर 40 प्रतिशत टैरिफ लगाता है। ट्रम्प ने पूर्व में हाली वीडियोस मोटर बाइक और इन पर लगे टैरिफ का मुद्दा उठाया था। इसके बाद भारत ने मोटर बाइक से आयात शुल्क घटाया था। ट्रम्प डेटा और तथ्यों की परवाह नहीं करते हैं और अपनी ही सोच पर चलते हैं।

इसका नतीजा यह है कि अमेरिका अब जो करेगा, वो पूर्णतया अनिश्चित है। अमेरिका के विश्वस्तमित्र, जो कई दशकों से अमेरिका के साथ थे, अब अमेरिका का विकल्प तलाश रहे हैं। ताईवान दशकों से अमेरिकन सपोर्ट पर आश्रित था, पर अब अमेरिका का विकल्प ढूँढ रहा है। ताईवान, चीन से अपनी स्वतंत्रता को सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर था। डॉनल्ड ट्रम्प के एक्शन प्रतिशोधात्मक और विनाशकारी साबित हो रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन को आदेश दिया है कि इंटेलिजेंस जानकारी किसी को न दी जाए, इस पर तुरंत अमल हो। अमेरिका ने यूक्रेन को भी गुप्तचर जानकारी देना रोक दिया है जो कि यूक्रेन की सैन्य कार्यवाही के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अमेरिका सहयोगी देशों को भी गुप्तचर जानकारी नहीं दे रहा है। इस भ्रम और तनाव के बीच एक देश है, जो अमेरिका की बात नहीं मान रहा है और अमेरिका के पास इसका विकल्प नहीं है।

अमेरिका के बढ़े हुए शुल्क का सामना कर रहे चीन की संसद ने शी जिनिंग की अध्यक्षता में मौजूदा वर्ष के लिए अपनी आर्थिक योजना को अंतिम रूप दिया। ट्रम्प द्वारा लगाए गए शुल्क व तमाम धमकियों के बावजूद चीन ने 5 प्रतिशत ग्रोथ टारगेट निर्धारित किया है। इसके अलावा, अमेरिका के दण्डात्मक आर्थिक कदमों से निपटने के लिए चीन अन्य कदम उठा रहा है। चीन ने अमेरिकन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, जिससे उनके कामकाज तथा प्रॉफिट को नुकसान पहुँचा है। चीन ने अब अमेरिका को महत्वपूर्ण खनिजों व कच्चे माल की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था व कम्पनियों को नुकसान हो सकता है। कुछ बेहद महत्वपूर्ण खनिजों का कुल 85 प्रतिशत चीन के आधिपत्य में है। ये पदार्थ रक्षा उद्योग व ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका, यूक्रेन से यह पदार्थ हासिल करना चाहता है, पर जैलैंस्की से विवाद के बाद यह योजना विफल हो गई है। ट्रम्प ने वादा किया है कि वे यह पदार्थ ग्रीनलैंड से हासिल करेंगे, चाहे जो हो जाए। संकीर्ण दृष्टिकोण वाले ट्रम्प अमेरिका के तटों से आगे नहीं देख पा रहे हैं। वे अपने ही बनाए गड़ड़ों में गिर सकते हैं।

बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण यू.पी., ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थितियों को फ्रीज कर हीरखा है। स्टालिन ने एक जॉइंट एक्शन कमेटी बनाया जना भी प्रस्तावित किया, जिसमें सभी दक्षिणी राज्यों के सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हों। यह समिति इस मामले में जनता में जागरूकता पैदा करे तथा सीटों की सम्भावित कमी को रोकने के लिये आवश्यक हो चुके संघर्ष को आगे बढ़ाये। इस संघर्ष के क्षेत्र और पहुँच को विस्तार देते हुये तथा इस प्रक्रिया में अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों को शामिल करते हुये, स्टालिन ने इस मुद्दे को सबसे ऊपर पहुँचा दिया। यह मुद्दा राज्य विधानसभा के चुनावों तक की अवधि में छाया रहेगा तथा इसके साथ तीन भाषा फॉर्मूले का विवादस्पद मुद्दा भी जुड़ा रहेगा। इस प्रकार, उन्होंने तमिलनाडु में भाजपा को बिल्कुल अलग-थलग कर देने की व्यवस्था कर दी है। विशेष रूप से, अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये अनामद्रमुक तथा भाजपा के गठबंधन की बैक-चैनल चर्चाओं की पृष्ठभूमि में, परिसीमन तथा भाषा के भावनात्मक मुद्दे को लेकर हुई आज की मीटिंग ने उक्त दोनों

पूर्व मित्र-दलों के बीच प्रभावी रूप से अलगाव पैदा करने की दिशा में कदम बढ़ा दिया है। प्रसंगवश बता दें कि केवल भाजपा ने ही आज की इस सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया था, जिसमें कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुये तथा ये प्रस्ताव तमिल और तमिलनाडु के हित में माने गये। परिसीमन सम्बंधित प्रस्ताव में, इस कार्यवाही को नाजायब बताया गया। स्टालिन द्वारा रखे गये इस प्रस्ताव को सर्वदलीय मीटिंग में सर्वसम्मति से पारित कर दिया। प्रस्ताव में स्टालिन ने कहा, "चूँकि दक्षिण भारतीय राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को प्रभावी तरीके से क्रियान्वित किया, इसलिए इन राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या कम करना अनुचित है। केन्द्र को (सीटों के मामले में) 2026 के बाद के 30 वर्षों तक वर्तमान व्यवस्था यथावत रखनी चाहिये, क्योंकि वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री (अटल बिहारी वाजपेयी) ने वादा किया था कि परिसीमन का निर्णय 1971 की जनसंख्या के आधार पर किया जायेगा। अन्य राज्यों से भी जनसंख्या - नियंत्रण के उपायों को क्रियान्वित कराया

जाना आवश्यक है।" प्रस्ताव में भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की परिसीमन की कवायब को निन्दा भी की गई। सर्वदलीय मीटिंग के प्रस्ताव के लिए तमिलनाडु तथा अन्य दक्षिणी राज्यों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व के लिये गंभीर खतरा बताया। स्टालिन ने कहा कि "केन्द्र की भाजपा सरकार इस मुद्दे पर लोकसभा में राज्य के 39 सांसदों की आवाज को सुनने तक के लिये तैयार नहीं है। हमें 2026 की जनसंख्या के आधार पर होने वाले परिसीमन का साफ तौर पर विरोध करना पड़ेगा।" उन्होंने कहा, "हमें इस मुद्दे पर दृढ़ रुख अपनाना होगा।"

फिल्म स्टार विजय की अभी -अभी लॉन्च हुई राजनैतिक पार्टी "तमिलतागा वैट्टी कडुगम" तक भी इस सर्वदलीय मीटिंग में शामिल थी। इसके अलावा, भाजपा के मित्र दल, जैसे "पट्टाली मक्कल काची" तथा अन्य भी मीटिंग में मौजूद थे। लेकिन भाजपा के दो अन्य मित्र दलों - "तमिल मनीला कांग्रेस" तथा अभिनेता सीमान के नेतृत्व वाली "नाम तमिल काची" ने मीटिंग का बहिष्कार किया। स्टालिन ने कहा, "परिसीमन

दक्षिण भारत के ऊपर लटकती तलवार जैसा है। यह परिसीमन 2026 की जनगणना के आधार पर होगा। अगर केन्द्र ने मौजूदा 543 लोकसभा क्षेत्र कायम रखे, तो तमिलनाडु के प्रतिनिधित्व में 8 सीटें कम कर दी जायेंगी।" स्टालिन ने समझाया कि अगर लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 848 कर दी गई तथा परिसीमन प्रतिशत आधार पर किया गया तो तमिलनाडु को 22 अतिरिक्त सीटें मिलेंगी। स्टालिन ने कहा, "लेकिन, अगर परिसीमन वर्तमान जनसंख्या के आधार पर किया गया तो तमिलनाडु को सिर्फ 10 सीटें मिलेंगी। दोनों ही तरीकों से अधिक आबादी वाले राज्यों की सीटें बढ़ेंगी, लेकिन तमिलनाडु की आवाज दबा दी जायेगी। हमें इस घबडघं को पराजित करना है।" मीटिंग में पारित एक अन्य प्रस्ताव में कहा गया है कि अगर सांसदों की संख्या बढ़ाई जानी है तो संविधान में ऐसा संशोधन किया जाये कि 1971 की जनगणना के आधार पर लोकसभा तथा राज्यसभा में तमिलनाडु तथा अन्य दक्षिणी राज्यों की सीटें आनुपातिक रूप से बढ़ाई जायेंगी।

MARUTI SUZUKI ARENA

पुरानी छोड़े, नई लाएं!

अपनी पुरानी कार स्क्रेप करें और भविष्य की ओर चलें।

ADDITIONAL SCRAPPAGE AND EXCHANGE BENEFITS UP TO ₹25 000*

01 March 2025

Fuel will not be provided to vehicles older than 15 years at petrol pumps in Delhi after March 31.

The Delhi government will stop fueling vehicles over 15 years old at city stations after March 31, according to Environment Minister Manjinder Singh Sirsa. The decision follows a meeting on air pollution, with Sirsa stressing the government's efforts to tackle vehicular emissions.



BEST SCRAPPAGE VALUE#

BEST EXCHANGE OFFERS

UPTO 100% ON-ROAD FINANCE

3 years 100 000 km WARRANTY**

विशेष ऑफर

SWIFT ₹58 100* | WAGONR ₹73 100*



SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

T&C apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on select models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on select models. Offer valid with select financiers only. **3 years or 100 000 km - whichever is earlier. #Scrappage Offer valid for limited time only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. *Scrapage value offer is brought to you by Maruti Suzuki Toyota India Private Limited (a joint venture company between Maruti Suzuki India Ltd and Toyota Tsusho Group). Above offers are valid till 31st March 2025.

VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP TODAY OR E-BOOK AT WWW.MARUTISUZUKI.COM | CALL 1800 102 1800

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी 1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालोर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.ए.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधाम एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033, बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स: 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड अरावली, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स: 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चूगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालोर कार्यालय - जी 1/63, इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोलीनसिटी कार्यालय - जी 1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोलीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908